मेहनतकशों का पैग़ाम मेहनतकशों के नाम

मज़दूर मोर्चा

साप्ताहिक

Email : mazdoormorcha1987@gmail.com
www.mazdoormorcha.com
Postal Reg. No. L-2/FBD/463/2018-20 /R.N.I. No. 66400/97

दीपक कपूर से खुलेंगे कई बड़े मामले 3
ऑक्सीजन की कालाबाज़ारी को पुलिस ने दबाया 4
अवैध अस्पताल, बैंक्वेट हॉल खड़े कर दिए गए 5
यूपी के अगले चुनाव के लिए तय हो रहा एजेंडा 6
राजनीतिक संरक्षण में खुला श्रीराम अस्पताल 8

वर्ष 34 | अंक 26 | फरीदाबाद | 9 मई-15 मई 2021 | फोन-8851091460 | 3.00 ₹

सरकार ने कराई मेडिकल कॉलेज में 10 वेंटिलेटरों की 'डकैती'

सीएम ने नूंह में दिया सुविधाएँ बढ़ाने का झाँसा, लेकिन निर्देश कुछ और दे गये

मज़दूर मोर्चा ब्यूरो

नूंह (मेवात) नल्हड़ मेडिकल कॉलेज से रातोंरात दस वेंटिलेटर और अन्य मशीनें पलवल और रेवाड़ी भेज दिए गए। यह सब मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर के इशारे पर हुआ। हालाँकि यही खट्टर एक दिन पहले इस मेडिकल कॉलेज में और उपकरण देने की लंबी चौड़ी बातें करके गए थे। इतना ही नहीं जिस तरह प्रधानमंत्री मोदी प्रचार के भूखे हैं, खट्टर ने भी अपने नूंह दौरे की बातें और फ़ोटो सोशल मीडिया पर शेयर किया। सोमवार 3 मई की रात को चोरी छिपे जब वेंटिलेटर और मशीनों को ले ज़ाया जा रहा था तो मेवात के युवकों ने इसका ज़बरदस्त विरोध किया। पुलिस ने लाठीचार्ज कर उन्हें भगा दिया और आठ युवकों को गिरफ़्तार कर लिया।

कोविड-19 को लेकर दिल्ली हाई कोर्ट सहित यूपी, और दूसरे राज्यों की हाई कोर्ट, सुप्रीम कोर्ट के आदेश आ रहे हैं जिनमें सरकारों को आदेश दिया जा रहा है कि वो चिकित्सा उपकरणों और दवाओं में कमी न आने दें और सतर्क रहें। लेकिन नूंह के नल्हड़ मेडिकल कॉलेज में इसका ठीक उल्टा हो रहा है। मुख्यमंत्री खुद यहाँ से वेंटिलेटर हटवाने का आदेश दे रहे हैं। एक हफ़्ता पहले भी यहाँ से मेडिकल उपकरण हटाने की कोशिश हुई थी, तब

भी इसका विरोध हुआ था। लेकिन सोमवार रात को सरकारी अमले को मौक़ा मिल ही गया।

युवकों ने किया विरोध

मेवात के युवकों को जैसे ही इस सरकारी डकैती की सूचना मिली तो वे फ़ौरन वहाँ पहुँच गए। आसपास गाँवों के युवक भी वहाँ जा पहुँचे। इस सिलसिले में जो वीडियो सामने आया है, उसमें नज़र आ रहा है कि सरकारी वाहन में वेंटिलेटर और अन्य मशीनों को लादा जा रहा है और युवक चीख चीख कर इसका विरोध कर रहे हैं। युवक आरोप लगा रहे हैं कि मेवात में हज़ारों लोग बीमार पड़े हैं, उनका इलाज कैसे होगा। मेवात के साथ भाजपा सरकार सौतेला व्यवहार कब तक करेगी। युवकों ने जब अपना विरोध बंद नहीं किया तो सरकारी अधिकारियों के निर्देश पर पुलिस ने लाठी चार्ज कर दिया। पुलिस दौड़ा दौड़ाकर युवकों को पीटने लगी। कुछ युवकों ने आरोप लगाया कि पुलिस ने हवाई फ़ायरिंग भी की लेकिन मज़दूर मोर्चा से अन्य सूत्रों ने इसकी पुष्टि नहीं की।

पुलिस ने मौक़े से मोहम्मद शाहिद, वसीम सैफी समेत कई युवकों को गिरफ़्तार कर लिया। समाचार लिखे जाने तक उनकी ज़मानत नहीं हो सकी।

मुख्यमंत्री का दौरा और विवादास्पद निर्देश

मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर ने 3 मई को मेडिकल कॉलेज का दौरा किया और यहाँ मेडिकल सुविधाएँ बढ़ाने का झाँसा दिया था। लेकिन इस संबंध में मज़दूर मोर्चा के सामने नूंह के डीसी का 3 मई को ही जारी आदेश सामने आया है। डीसी ने इस आदेश में लिखा है कि सीएम ने 3 मई को दोपहर पौने एक बजे समीक्षा बैठक में निर्देश दिया। कि नल्हड़ मेडिकल कॉलेज से पाँच वेंटिलेटर पलवल और पाँच वेंटिलेटर रेवाड़ी के सरकारी अस्पतालों को अन्य मेडिकल उपकरणों के साथ भेज दिया जाए। इस आदेश के बाद मेडिकल कॉलेज की डायरेक्टर ने भी इन्हें ले जाने का आदेश जारी कर दिया।

सीएम की बात पर कम से कम अब मेवात के लोग विश्वास नहीं करेंगे। क्योंकि उसी दिन मेडिकल कॉलेज का दौरा करते हुए खट्टर ने जो सरकारी बयान जारी किया था, उसमें उन्होंने कहा था कि नल्हड़ मेडिकल कॉलेज में और नए बेड की व्यवस्था की जाएगी और जल्द ही इस मेडिकल कॉलेज का ऑक्सीजन कोटा भी बढ़ाया जाएगा। साथ ही ऑक्सीजन को स्टोर करने के लिए कन्टेनर की भी व्यवस्था की जाएगी। यहाँ पर 2 बीएसए प्लांट भी लगाए जाएंगे, ताकि ऑक्सीजन की पर्याप्त उपलब्धता रह सके। ऑक्सीजन की सप्लाई चेन बनी है और हमारी प्राथमिकता है कि ये चेन ना टूटे।

आरएसएस के स्वयंसेवकों को झूठ बोलने की ट्रेनिंग भी दी जाती है लेकिन जब कोई शख़्स स्वयंसेवक से मुख्यमंत्री बन जाता है तो वो संविधान से बंध जाता है। लेकिन नल्हड़ में मुख्यमंत्री तो चंद घंटे में ही अपना रंग बदलते नज़र आए।

नूंह के विधायक पर बरसे लोग

नूंह से कांग्रेस विधायक आफ़ताब अहमद को लोग उस रात नल्हड़ मेडिकल कॉलेज में बुलाते रहे लेकिन विधायक वहाँ नहीं पहुंचे। इस पर भी लोगों ने काफ़ी नाराज़गी जताई है। हालाँकि जब युवक ग़ुस्सा जता रहे थे तो विधायक आफ़ताब मेडिकल कॉलेज डायरेक्टर पर दबाव डाल रहे थे कि यहाँ के वेंटिलेटर पलवल और रेवाड़ी नहीं भेजें जाएँ। उन्होंने डायरेक्टर को सलाह दी कि वो यहाँ की इमरजेंसी बता कर वेंटिलेटर भेजने से रोक सकती हैं।

शेष पेज 4 पर

ईएसआईसी मेडिकल कॉलेज अस्पताल को हड़काने पहुंचे डीसी और सीएमओ

फरीदाबाद (म.मो)। बीते शुक्रवार (30 अप्रैल) को एनएच-3 स्थित ईएसआईसी मेडिकल कॉलेज अस्पताल वालों को हड़काने के लिये उपायुक्त यशपाल व सिविल सर्जन पूनिया इसलिए पहुंचे कि वहां के प्रबन्धन ने अपने प्रवेश द्वार पर एक पोस्टर लगा दिया था जिसमें कहा गया था कि वह क्षमाप्रार्थी हैं, उनके पास कोई बेड नहीं है। दरअसल ऑक्सीजन की कमी के चलते अस्पताल प्रबन्धन ने उतने ही बेड चालू रखे जिनके लिये ऑक्सीजन पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध थी। इनकी संख्या करीब 200 बताई जाती है। **(जो आज के दिन बेहतरीन सेवा आम जनता को प्रदान कर रहा है)**

उस पोस्टर को लेकर उपायुक्त का मानना था कि इससे जनता में गलत संदेश जाता है, लोग हतोत्साहित होते हैं। सरकारी अस्पताल होने के नाते किसी भी आने वाले मरीज को इस तरह बाहर के बाहर नहीं खदेड़ा जा सकता। यदि पोस्टर लगाने भर से ही लोग हतोत्साहित होते हैं तो फिर एक पोस्टर ऐसा लगाना चाहिये 'आइए आपका स्वागत है'। और अधिक प्रोत्साहित करना हो तो यह भी लिख देना चाहिए कि बेड भी खाली पड़े हैं।

यद्यपि अधिकारिक रूप से कोई भी इस बाबत प्रतिक्रिया देने को उपलब्ध नहीं है लेकिन जानकार सूत्रों के अनुसार अस्पताल प्रबंधन ने उपायुक्त को बता दिया कि ऑक्सीजन की मौजूदा उपलब्धता के दौरान वे सौ बेड का आईसीयू व दो सौ बैड ऑक्सीजन वाले चला रहे हैं। यदि उपायुक्त अतिरिक्त ऑक्सीजन का प्रबंध करा दें तो सौ बेड और भी बढ़ाये जा सकते हैं। यदि मौजूदा सप्लाई के भरोसे 100 बेड और भी बढ़ा दिये गये, जैसा कि उपायुक्त चाहते थे तो, ऑक्सीजन का दबाव बहुत कम हो जायेगा और तमाम मरीज खतरे में आ जायेंगे। इसलिये अस्पताल प्रबंधन कभी भी ऐसी बेवकूफी नहीं करेगा। बस, फिर क्या था, कुछ नहीं न ऑक्सीजन की सप्लाई बढ़ी न बेड बढ़े, हां उपायुक्त का बयान जरूर अखबारों में छपवा दिया गया कि 100 बेड बढ़वा दिये गये हैं।

प्रशासन अपने सरकारी अस्पतालों को ठीक क्यों नहीं करता

प्रशासन जो बेहतरीन चलते हुए ईएसआई अस्पताल पर थानेदारी कर रहा है वह अपने सरकारी अस्पतालों व अन्य प्राईवेट अस्पतालों पर क्यों नहीं करता? इस मुद्दे को समझने के लिये सर्वप्रथम यह समझ लें कि ईएसआई मेडिकल कॉलेज अस्पताल सरकारी नहीं है, सरकार का इसमें एक पैसा भी नहीं लगा है। चिकित्सा एवं सामाजिक सुरक्षा के नाम पर मजदूरों के वेतन का 6½% (अब घट कर 4½%) ईएसआई कार्पोरेशन वसूल करती है। देश भर में वसूला गया यह पैसा आज एक लाख करोड़ से अधिक हो चुका है जिस पर केन्द्र सरकार कुंडली मारे बैठी है। कोविड के नाम पर पिछले वर्ष और इस वर्ष फिर से इन तमाम मजदूरों को इस मेडिकल अस्पताल से वंचित कर

शेष पेज 4 पर

रेमडिसिवर और ऑक्सीजन की खुलेआम कालाबाज़ारी

छोटे-मोटे मामले पकड़ कर फ़रीदाबाद पुलिस बड़ों से आंखें मूंद रही

मज़दूर मोर्चा ब्यूरो

फ़रीदाबाद - शहर में जीवनरक्षक दवा रेमडेसिवर और ऑक्सीजन सिलेंडरों की जमककर ब्लैकमार्केट हो रही है। जिला प्रशासन के दबाव पर पुलिस ने जिन लोगों को गिरफ़्तार किया, उनमें से कई लोगों का संबंध भाजपा से पाया गया। लेकिन ऑक्सीजन का जो बड़ा मामला सामने आया, उसे पुलिस ने दबा दिया और उल्टा केस दर्ज कर लिया। जबकि इस मामले में वीडियो सबूत है।

शहर में रेमडिसिवर माफिया

पुलिस ने सेक्टर 31 में स्थित पुलिस लाइन वाली रोड पर हितेश पलटा नामक युवक से दो रेमडिसिवर इंजेक्शन बरामद किए। वह इन्हें साठ हज़ार रूपये में बेच रहा था। पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि हितेश पलटा ने ग्राहक को पुलिस लाइन वाली रोड पर ग्रीन बेल्ट में बुला रखा है। जैसे ही हितेश पलटा ने पैसे लेकर इंजेक्शन थमाया, पुलिस ने उसे दबोच लिया। आरोपी सेक्टर 28 का निवासी है और खुद को भाजपा कार्यकर्ता बताता है। आरोपी ने पूछताछ में बताया कि वह सेक्टर 19 में पार्शवनाथ मॉल में करेंसी एक्सचेंज का काम करता है। वह दिल्ली से ये इंजेक्शन लेकर आया था और फ़रीदाबाद में बेच रहा था

सेक्टर 28 में इन दिनों रात भर महँगी गाड़ियों को जगह- जगह घूमते और उनमें से एक दूसरे में दवाओं का आदान-प्रदान करते हुये देखा जा सकता है। सेक्टर 19, 28, 29, 31 और भूड़ कॉलोनी के कुछ मेडिकल स्टोर राजनीतिक संरक्षण में रेमडिसिवर बेचने का अवैध धंधा चला रहे हैं।

शेष पेज 4 पर